भारतीय संस्कृति में सुचना प्रौद्योगिकी का समावेश

मनीषा व्यास, शोधार्थी (संस्कृत), जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपुर (राजस्थान)

सार

सूचना प्रौद्योगिकी ने भारतीय संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन और प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डिजिटल तकनीक के माध्यम से भारतीय भाषाओं, साहित्य, कला, संगीत, नृत्य, योग, आयुर्वेद, धार्मिक एवं ऐतिहासिक ज्ञान को व्यापक स्तर पर सुरक्षित और उपलब्ध कराया जा रहा है। इंटरनेट, सोशल मीडिया, डिजिटल पुस्तकालय, ऑनलाइन संग्रहालय तथा ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म ने भारतीय सांस्कृतिक विरासत को देश-विदेश के लोगों तक पहुँचाने में नई संभावनाएँ उत्पन्न की हैं। सूचना प्रौद्योगिकी के समावेश से पारंपरिक ज्ञान का डिजिटलीकरण, दस्तावेजीकरण और पीढ़ियों के बीच हस्तांतरण अधिक प्रभावी हुआ है। साथ ही, डिजिटल माध्यमों के बढ़ते उपयोग से सांस्कृतिक मूल्यों की प्रामाणिकता, गोपनीयता और संरक्षण जैसी चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। अतः सूचना प्रौद्योगिकी और भारतीय संस्कृति का संतुलित समन्वय सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक संदर्भ में संरक्षित करने तथा वैश्विक स्तर पर भारतीय संस्कृति की पहचान को मजबूत करने में सहायक है।